from the non-banking financial institutions, which are regulated under the Reserve Bank regulations, it is impossible for small people to obtain loans, though the commercial banks are flush with funds. One of the reasons why the banks cannot advance money themselves is ...(*Interruptions*)...

MR. CHAIRMAN: Don't give reasons. Put your question, and let the Minister reply.

SHRI BALBIR K. PUNJ: I am coming to that. Because they are under the stranglehold of the CBI, and the bank managers are too scared to advance loans, should the large loans go bad, they would come under the net of the CBI. Is the Government considering taking off the commercial banks from the hook of the CBI? This is my question, Sir.

SHRI JASWANT SINGH: No, Sir, we are not considering it. In fact, I understand the import of what the hon. Member is enquiring, because the index of alertness in banking transaction has, perhaps, crossed an unacceptable line, with the result that there is a great hesitation now on the part of the banking sector to lend money, particularly, to small borrowers. We are mindful of this and we have taken a number of steps. Of course, alertness in scrutiny of lending will continue. However, the banks must lend. They are flush with funds, but they are not lending because they haven't the confidence of lending, but thereafter, they may come under the purview of the CAG or the CVC or the CBI. The examination of banking transactions will continue but the confidence has to be restored. That is the answer for the small scale sector.

International flights from Guwahati

*105. SHRI DRUPAD BORGOHAIN: Will the Minister of CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Air India is going to close the Bangkok flight from Guwahati;

(b) if so, the reasons therefor; and

(c) whether Government propose to connect Guwahati with some other foreign cities by international flights?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION (SHRI SYED SHAHNAWAZ HUSSAIN): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

(c) No, Sir.

SHRI DRUPAD BORGOHAIN: Sir, I thank the hon. Minister for replying positively about continuing the Bangkok flight from Guwahati. But, in reply to part (c) of my question as to whether the Government proposes to connect Guwahati with some other foreign cities by international flights, the Minister has said, 'No'. I feel that connectivity with far-eastern countries like Japan, China, Korea, Hong Kong, etc. is very important for commercial and industrial link and for the overall development of the North-Eastern region. So, I would like to know from the hon. Minister whether he would review his Ministry's thinking on this and take steps to connect Guwahati with the far-eastern countries keeping in view the greater interest of commercial and industrial development of the North-Eastern region.

श्री सैयद शाहनवाज हुसैन: सभापति महोदय, इन के पहले प्रश्न के उत्तर में हमने पहले ही बता दिया है कि इस फ्लाइट को बंद करने का इरादा नहीं है। लेकिन गोहाटी से यह फ्लाइट काफी लॉस में चल रही है, इसलिए कोई नई फ्लाइट अभी चलाने का इरादा नहीं बनाया है। महोदय, 4 अप्रैल को हमने गोहाटी-बैंकाक फ्लाइट शुरू की थी, उस के बाद इस में 56 फ्लाइट्स में 89 लाख रुपए का लॉस हो चुका है, पर-फ्लाइट 1.5 लाख रुपए का लॉस है और एक फ्लाइट को पूरी तरह मेच्योर होने में करीब 6 से 8 महीने का समय लगता है। इसलिए हम लोग अभी इंफास्ट्रक्चर पर ध्यान दे रहे हैं। हम ने इस बारे में मुख्य मंत्री जी से बातचीत की है कि जो फॉरेन टूरिस्ट्स गोहाटी आएंगे, उस के लिए इंफास्ट्रक्चर की बहुत बड़ी जरूरत है और उन्होंने इस बारे में सहयोग भी किया है, लेकिन वहां फाइव स्टार होटल्स और दूसरी चीजें नहीं होने की वजह से बहुत संख्या में टूरिस्ट्स नहीं आ रहे हैं। इसलिए गोहाटी से अभी कोई नई फ्लाइट चलाने का इरादा नहीं है।

SHRI DRUPAD BORGOHAIN: Sir, my second supplementary is this. I would like to know whether connectivity of the North-Eastern States with the far-eastern countries would be improved and whether the position at Dibrugarh Airport would be improved.

श्री सैयद शाहनवाज हुसैन: सभापति जी, फार-ईस्ट के विषय में इन्होंने बात की है। हमने अभी इस का सर्वे कराया है और इस तरह का लोड अभी गोहाटी सेक्टर पर नहीं है। दूसरा प्रश्न, इन्होंने डिब्रूगढ़ के बारे में पूछा है, तो उस प्रश्न से इस का कोई संबंध नहीं है।

DR. ARUN KUMAR SARMA: I congratulate the hon. Minister on the bold step he has taken and starting an international flight from Guwahati. We also appreciate the difficulty that initially there would be some loss. In this regard, I would like to know whether the Indian Airlines' flights which are operating between Calcutta and Bangladesh and Bangkok can be diverted so as to go *via* Guwahati. This can be a very feasible proposition. Secondly, the Guwahati Airport was declared to be a regional hub of the entire North-Eastern region. Guwahati has to be connected with the capitals of the seven North-Eastern States. That was the declaration of the hon. Prime Minister. I would like to know whether there is any progress in this matter after this declaration of the hon. Prime Minister.

श्री सैयद शाहनवाज हुसैन: सभापति जी, मैंने पहले भी कहा, जिस तरह का इन्होंने सवाल किया कलकत्ता वाली फ्लाइट को गुवाहाटी होकर ले जाने का, आज बहुत सी एअरलाइन्स डायरेक्ट फ्लाइट लेकर आती हैं, इसलिए यह संभव नहीं है। माननीय सदस्य का दूसरा जो प्रश्न है, उसका वैसे तो इस प्रश्न से संबंध नहीं है, लेकिन मुझे माननीय सदस्य को यह सूचित करते हुए खुशी हो रही है कि 25 दिसंबर से चार एटीआर नॉर्थ-ईस्ट में हम ले आएंगे और 25 दिसंबर से जो यह सारी स्टेट हैं उसको हम जोड़ देंगे। इसकी घोषणा पहले हो चुकी है। एटीआर हम ला चुके हैं और गुवाहटी को हम रीजनल बनाने वाले हैं।

श्री संघ प्रिय गौतम: धन्यवाद तो दे दीजिए।

श्री लालू प्रसाद: सभापति महोदय, मैं माननीय मंत्री जी को इस बात के लिए धन्यवाद देता हूं कि बोध-गया से बैंकांक और दूसरी बुद्धिस्ट कंट्रीज में इन्होंने जहाज चलाने की डेट फिक्स कर दी और फिर उसे बंद कर दिया। इसके लिए हम इनको धन्यवाद देते हैं। मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं, आप बिहार से आते हैं और जिनकी शताब्दी हम लोग पूरे देश में सरकार और सभी राज्य मना रहे हैं, जय प्रकाश जी, उनके नाम पर पटना में अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा लिखा हुआ है, जो नेशनल हवाई अड्डा ही रह गया है। यह कितनी ओछी और अपमान करने वाली बात है कि उस हवाई अड्डे को भी वहां से आए यह मंत्री यहां आकर टी॰वी॰ में यह बयान देते हैं कि सबसे खतरनाक हवाई अड्डा वहां है, जिस पर वह आते जाते हैं। आज हमने इनका बयान पढ़ा कि पूर्णिया से सहारा जहाज चलाने जा रहे हैं। आप हवा में बात मत करिए। तो मैं यह जानना चाहता हूं कि जय प्रकाश जी के नाम पर जिस अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे की पूर्व प्रधान मंत्री देवगौड़ा जी ने घोषणा की थी, उसको आप सही अमली जामा पहनाना चाहते हैं या नहीं चाहते हैं? इसके बारे में साफ-साफ हम जानना चाहते हैं।

श्री सैयद शाहनवाज हुसैन: सभापति जी, आदरणीय लालू जी बहुत सम्मानित सदस्य हैं और हमारे बिहार से हैं, जिनका मैं सम्मान करता हूं।

श्री लालू प्रसाद: आप तो अभी आए हैं।

श्री सैयद शाहनवाज हुसैन: हम पैदा अभी हुए हैं तो आपसे पहले कैसे आते। सभापति जी, इन्होंने जो प्रश्न पूछा है, इनके इस प्रश्न का कोई संबंध इस प्रश्न से नहीं है, लेकिन इन्होंने जो पूछा है, मैं जवाब नहीं दूंगा तो इन्हें अच्छा नहीं लगेगा। इन्होंने काफी आरोप मुझ पर लगा दिए हैं। दिक्कत यह है कि हवा में घोषणा इन्होंने करवाई थी अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे की माननीय देवगौड़ा जी से। सिर्फ घोषणा करने से अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा नहीं बनता है। अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का मतलब रनवे 10,500 फीट का चाहिए।...(**व्यवधान**)...

श्री लालू प्रसाद: आप राष्ट्रीय कर दीजिए।...(**व्यवधान**)...

श्री सैयद शाहनवाज हुसैन: सभापति जी, आपका संरक्षण चाहिए।...(**व्यवधान**)...

सभापति जी, उसके लिए अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे की घोषणा देवगौडा जी ने की थी। चूंकि वह हवाई अड्डा छोटा था, घोषणा तो हुई, लेकिन इन्फ्रास्ट्रक्चर पर काम नहीं हुआ। वहां का जो रनवे है वह 9500 फीट की जगह 7500 फीट ही यूज हुआ। यहां बहुत सम्मानित सदस्य बैठे हैं और सभी लोग जहाज से चलते हैं। हम वहां पर लैंड करते हैं तो हमारे सामने पैसेंजर की जिंदगी का सवाल रहता है और आदरणीय लालू जी भी हवाई जहाज से सफर करते हैं, इसलिए मुझे उस जहाज की ज्यादा चिंता रहती है। सभापति जी, हमने टी॰वी॰ पर यही कहा था कि वहां रनवे बढ़ाने की जरूरत है। लालू जी को हम निवेदन करते हैं कि उन्होंने जो जमीन दे दी है, थोड़ी सी ज्यादा दे दी है और थोड़ी सी नहीं दी है, एक क्वार्टर और देनी है, जो जमीन मुझे और चाहिए। यहां तक इन्होंने एक आरोप और लगाया कि फ्लाइट शुरू की थी और बंद कर दी है। ऐसा नहीं है, वह फ्लाइट शामिल है और गया को हम बुद्धिस्ट हट बनाने वाले हैं।

Contingency plan of IOC for locating strategic oil reserves

*106. SHRI NANA DESHMUKH:†
SHRI K. RAMA MOHANA RAO:

Will the Minister of PETROLEUM AND NATURAL GAS be pleased to state:

(a) whether Government are working on any contingency plan to deal with any eventuality including blockage of crude supplies from the Gulf;

(b) whether Government are thinking of locating strategic reserves of crude oil in some important locations of the country to maintain undisrupted supply of petroleum products;

(c) if so, the details thereof;

†The question was actually asked on the floor of the House by Shri Nana Deshmukh.